Self Respect

27-08-2014

- ✓वह सब देहधारी एक-दो को पढ़ाते हैं, ऐसे कभी नहीं होगा कि विदेही बाप या रूहानी बाप पढ़ाते हो ।
- ✓ हे आत्माओं, हर 5 हजार वर्ष बाद मैं तुम्हारी सर्विस में आता हूँ । आत्माओं को पढ़ाते है ना । कल्प-कल्प, कल्प के संगमयुगे तुम्हारी सेवा में आता हूँ । आधाकल्प तुम पुकारते आये हो-हे बाबा, हे पतित-पावन आओ ।
- ✓ बाप है तो जरूर बाप से स्वर्ग का वर्सा मिलना है । बाप एक ही बार समझाते हैं, जिससे तुम देवता बनते हो । तुम देवता बनेंगे फिर नम्बरवार सब आयेंगे पार्ट बजाने ।

✓मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।

✓ वरदान: बालक सो मालिकपन की स्मृति से सर्व खजानों को अपना बनाने वाले स्वराज्य अधिकारी भव !